*206. SHRI BHOGENDRA JHA :
SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE :

Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state :

(a) whether the statement made by the U. S. President saying that he has brought about cease-fire on the Western Front in the recent Indo-Pak War after "intensive exchanges" with the Soviet leaders has come to his notice; and

(b) if so, the reaction of Government thereof ?

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI SWARAN SINGH) : (a) Yes, Sir

(b) The decision to declare cease-fire was Government of India's own decision Any suggestion that this was done at the instance of any other Power is unfounded As the Prime Minister noted in her statement in Parliament on December 16, "our objectives were limited to assist the gallant people of Bangladesh and their Mukti Bahini to liberate their country from a reign of terror and to resist aggression on our own land" Government made a unilateral declaration of ceasefire as soon as these objectives had been achieved.

श्री भोगेन्द्र झा. सरकार की ओर से बार बार कहा गया है कि हमारा उद्देश्य सीमित था। लेकिन क्या सरकार को पता है कि अमरीकी राष्ट्रपति निक्सान ने और बाद में अमरीकी सरकार के प्रवक्ता ने कई बार दोहराया है कि भारत सरकार के एक कैबिनेट मिनिस्टर के जरिये उनको यह पता चला था कि पश्चिम पाकिस्तान को भी भारत सरकार खत्म करना चाहती है और इसीलिए पश्चिम पाकिस्तान को बचाने का सेहरा वे अपने ऊपर लेना चाह रहे हैं ? मैं जानना चाहता हूं कि इसके बारे में भारत सरकार की सूचना क्या है, उसकी प्रतिक्रिया क्या है ?

SHRI SWARAN SINGH : When the actual facts about the whole matter have been stated clearly, any suggestion to the contrary is absolutely unfounded. I have not seen any statement of any representative of the U S Government to the effect that they got any such information from a Cabinet Minister. I have not seen any such statement at all If any such statement has appeared, it is completely baseless.

श्री भोगेन्द्र झा: अमरीकी सरकार के इस कथन को ध्यान मे रखते हुए क्या भारत सरकार का यह विश्वास है कि भारत और सोवियत संघ के मैत्री-सम्बन्धों को बिगाड़ने के लिए ही अमरीकी सरकार ने यह कहा है; यदि हां, तो क्या भारत सरकार ने इस पर अपने विरोध का इजहार किया है ?

SHRI SWARAN SINGH : I do not know what were the motives of the US Government. But our relations with the Soviet Union are on a firm basis and any attempt in any way to harm those relations will not yield any result.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी. सोवियत रूस और भारत के सम्बन्ध एक मित्रता की संधि से बंधे हुए है। उस संधि के अन्तर्गत दोनों देशों के बीच मे निरन्तर विचार-विनिमय चलता रहता है। जब लड़ाई हो रही थी, तो सोवियत रूस के उप-विदेश मंत्री, श्री फिर्युबिन, भारत में थे और एक या दो दिन के बाद भारत के विदेश मंत्री मास्को की यात्रा पर जा रहे हैं। क्या मंत्री महोदय का यह कहना है कि एकतरफा युद्ध-विराम का फैसला करने के पहले उसके बारे में भारत सरकार ने सोवियत रूस से कोई विचार-विनिमय नहीं किया ? दोनों

हाईकमान्ड्स् विंटग पार्टीज् हैं। क्या मंत्री महोदय यह कहना चाहते हैं कि यह इतना अहम फैसला विचार-विनिमय के बिना हुआ ?

SHRI SWARAN SINGH : I want to say very clearly that our decision to declare cease-fire unilaterally was not communicated to the USSR Government or to any other Government before this was actually announced. I want to say it quite categorically.

SHRI S. M. BANERJEE ; Purely made in India !

बंगला देश का संयुक्त राष्ट्र संघ में प्रवेश

+

*207. श्री राम रतन शर्मा.
श्री फूलचन्द वर्मा

क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि संयुक्त राष्ट्र संघ में बंगला देश को स्थान दिलाने के लिए सरकार द्वारा क्या प्रयास किये गये हैं ?

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI SWARAN SINGH) India has assured the Government of Bangladesh of its full support and cooperation in securing the admission of Bangladesh to the United Nations There is growing appreciation of existing realities by the international community and more than 50 countries have already recognised Bangladesh. It is hoped that Bangladesh will soon find its rightful place in the comity of nations

श्री राम रतन शर्मा: बंगला देश के सम्बन्ध में लगभग सभी विदेशी पत्रों ने युद्ध के पूर्व और युद्ध के बाद हमारा साथ दिया है। लेकिन विदेशी सरकारों को सरकार इस सम्बन्ध मे प्रेरित नहीं कर सकी और इस क्षेत्र में हमे विफलतता मिली। पाकिस्तान अमानवीयता का अपराधी रहा है, लेकिन फिर भी उसे संयुक्त राष्ट्र संघ के अधिकांश देशों का समर्थन मिला। उपरोक्त तथ्यों को देखते हुए क्या यह सच नहीं है कि जहां तक बंगला देश को संयुक्त राष्ट्र सघ मे स्थान दिलाने का प्रश्न है, हमारी विदेश नीति असफल रही है ?

श्री स्वर्ण सिंह जी नही।

श्री फूलचन्द वर्मा. सयुक्त राष्ट्र सघ के पिछले अधिवेशन मे बंगलादेश के मामले मे 108 देशो ने भारत को सहयोग नहीं दिया था। क्या इस बात को ध्यान मे रखते हुए विदेश मंत्री अपनी विदेश नीति पर पुनर्विचार करने का इरादा रखते है ?

SHRI SWARAN SINGH The basis on which the question is put is incorrect The subsequent attitude shown by the member countries of the UN is proof of the fact that our steadfast adherence to our line of approach did yield results and there is growing appreciation that we reacted wisely and effectively

अध्यक्ष महोदय अगर मिनस्टर साहब यह बता देते कि 108 मुल्को मे से कितनो ने बंगला देश को रेकगनाईज् कर लिया है, तो मेम्बर साहब यह सवाल ही न पूछते।

SHRI SAMAR GUHA May I know whether the Government of India is going to sponsor a move in the UNO for early entry of Bangla Desh into that body ?

SHRI SWARAN SINGH The UN General Assembly session is still about six months away We would take a decision to support Bangla Desh and today the people of Bangla Desh are indebted to nearer the time when General Assembly is scheduled to meet.

SHRI S. M. BANERJEE : Since India has taken a decision to our Prime Minister, to the people of India and to our Army. I want to know whether, during this period of six months available before the UN General Assembly meets, India will initiate some discussion with those countries who have recognised